



| الآيات المتكررة في القرآن   |     |  | Quran's Repeated Verses   |     |  |
|---|-----|--|---|-----|--|
| عدد حروف الآيات المتكررة في القرآن = مجموع أرقام السور = 6555 = 1+2+3+...+114 |     |  | Letters of repeated verses in the Quran = Sum of chapter numbers = 6555   |     |  |
| سورة  | آية | نص الآية   | سورة  | آية | نص الآية   |
| 2   | 1   | بسم الله الرحمن الرحيم   | 26  | 173 | وأمرنا عليهم مطرا فساء مطر المنذرين  |
| 3   | 1   | بسم الله الرحمن الرحيم   | 27  | 58  | وأمرنا عليهم مطرا فساء مطر المنذرين  |
| 29  | 1   | بسم الله الرحمن الرحيم   | 26  | 204 | أفبعذابنا يستعجلون   |
| 30  | 1   | بسم الله الرحمن الرحيم   | 37  | 176 | أفبعذابنا يستعجلون   |
| 31  | 1   | بسم الله الرحمن الرحيم   | 27  | 3   | الذين يقيمون الصلوة ويؤتون الزكاة وهم بالآخرة هم يوقنون                    |
| 32  | 1   | بسم الله الرحمن الرحيم   | 22  | 4   | الذين يقيمون الصلوة ويؤتون الزكاة وهم بالآخرة هم يوقنون                    |
| 2   | 5   | أولئك على هدى من ربهم وأولئك هم المفلحون   | 28  | 62  | ويوم يناديهم فيقول أين شركائي الذين كنتم تزعمون                            |
| 31  | 5   | أولئك على هدى من ربهم وأولئك هم المفلحون   | 28  | 74  | ويوم يناديهم فيقول أين شركائي الذين كنتم تزعمون                            |
| 2   | 47  | ييني إسرائيل أذكروا نعمتي التي أنعمت عليكم وأني فضلتكم على العالمين                      | 37  | 17  | أو إياؤنا الأولون  |
| 2   | 122 | ييني إسرائيل أذكروا نعمتي التي أنعمت عليكم وأني فضلتكم على العالمين                      | 56  | 48  | أو إياؤنا الأولون  |
| 2   | 134 | تلك أمة قد خلت لهما ما كسبت ولكم ما كسبتم ولا تسلون عما كانوا يعملون                     | 37  | 27  | وأقبل بعضهم على بعض يتسائلون   |
| 2   | 141 | تلك أمة قد خلت لهما ما كسبت ولكم ما كسبتم ولا تسلون عما كانوا يعملون                     | 52  | 25  | وأقبل بعضهم على بعض يتسائلون   |
| 2   | 162 | خلدين فيها لا يخفف عنهم العذاب ولا هم ينعظون   | 37  | 40  | إلا عباد الله المخلصين   |
| 3   | 88  | خلدين فيها لا يخفف عنهم العذاب ولا هم ينعظون   | 37  | 74  | إلا عباد الله المخلصين   |
| 3   | 89  | إلا الذين تابوا من بعد ذلك وأصلحوا فإن الله غفور رحيم                                    | 37  | 128 | إلا عباد الله المخلصين   |
| 24  | 5   | إلا الذين تابوا من بعد ذلك وأصلحوا فإن الله غفور رحيم                                    | 37  | 160 | إلا عباد الله المخلصين   |
| 5   | 10  | والذين كفروا وكذبوا بآياتنا أولئك أصحاب الجحيم   | 37  | 43  | في جنت النعيم  |
| 5   | 86  | والذين كفروا وكذبوا بآياتنا أولئك أصحاب الجحيم   | 56  | 12  | في جنت النعيم  |
| 6   | 4   | وما تأتيهم من آية من آيات ربهم إلا كانوا عنها معرضين                                     | 37  | 78  | وتركنا عليه في آل آخرين  |
| 36  | 46  | وما تأتيهم من آية من آيات ربهم إلا كانوا عنها معرضين                                     | 37  | 108 | وتركنا عليه في آل آخرين  |
| 6   | 10  | ولقد استهزؤا برسول من قبلك فحاق بالذين سخروا منهم ما كانوا به يستهزئون                   | 37  | 129 | وتركنا عليه في آل آخرين  |
| 21  | 41  | ولقد استهزؤا برسول من قبلك فحاق بالذين سخروا منهم ما كانوا به يستهزئون                   | 37  | 80  | إننا كذلك نجزي المحسنين  |
| 6   | 15  | قل إني أخاف إن عصيت ربي عذاب يوم عظيم  | 37  | 121 | إننا كذلك نجزي المحسنين  |
| 39  | 13  | قل إني أخاف إن عصيت ربي عذاب يوم عظيم  | 37  | 131 | إننا كذلك نجزي المحسنين  |
| 7   | 78  | فأخذتهم الرجفة فأصبحوا في دارهم جثمين  | 77  | 44  | إننا كذلك نجزي المحسنين  |
| 7   | 91  | فأخذتهم الرجفة فأصبحوا في دارهم جثمين  | 37  | 81  | إنه من عبادنا المؤمنين   |
| 7   | 107 | فأنلقى عاصفا إذا في تبيان مبين   | 37  | 111 | إنه من عبادنا المؤمنين   |
| 26  | 32  | فأنلقى عاصفا إذا في تبيان مبين   | 37  | 132 | إنه من عبادنا المؤمنين   |
| 7   | 108 | ونزع يده فإذا في بيضاء للناظرين  | 37  | 154 | ما لكم كيف تحكمون  |
| 26  | 33  | ونزع يده فإذا في بيضاء للناظرين  | 68  | 36  | ما لكم كيف تحكمون  |
| 7   | 121 | قالوا أمانا برب العالمين   | 38  | 87  | إن هو إلا ذكر للعالمين   |
| 26  | 47  | قالوا أمانا برب العالمين   | 81  | 27  | إن هو إلا ذكر للعالمين   |
| 7   | 122 | رب موسى وهرون  | 40  | 1   | بسم الله الرحمن الرحيم   |
| 26  | 48  | رب موسى وهرون  | 41  | 1   | بسم الله الرحمن الرحيم   |
| 7   | 183 | وأولى لهم إن كيدي متين   | 42  | 1   | بسم الله الرحمن الرحيم   |
| 68  | 45  | وأولى لهم إن كيدي متين   | 43  | 1   | بسم الله الرحمن الرحيم   |
| 9   | 33  | هو الذي أرسل رسوله بالهدى ودين الحق ليظهره على الدين كله ولو كره المشركون                | 44  | 1   | بسم الله الرحمن الرحيم   |
| 61  | 9   | هو الذي أرسل رسوله بالهدى ودين الحق ليظهره على الدين كله ولو كره المشركون                | 45  | 1   | بسم الله الرحمن الرحيم   |
| 9   | 73  | يأيها النبي جهد الكفار والمنافقين وأغلظ عليهم ومأوهم جهنم وبئس المصير                    | 59  | 1   | بسم الله الرحمن الرحيم   |
| 66  | 9   | يأيها النبي جهد الكفار والمنافقين وأغلظ عليهم ومأوهم جهنم وبئس المصير                    | 59  | 2   | بسم الله الرحمن الرحيم   |
| 10  | 48  | ويقولون متى هذا الوعد إن كنتم صادقين   | 44  | 2   | وألكتب المؤمنين  |
| 21  | 38  | ويقولون متى هذا الوعد إن كنتم صادقين   | 43  | 83  | فأزهم يخوضوا ويلعبوا حتى يلقوا يومهم الذي يوعدون                           |
| 27  | 71  | ويقولون متى هذا الوعد إن كنتم صادقين   | 70  | 42  | فأزهم يخوضوا ويلعبوا حتى يلقوا يومهم الذي يوعدون                           |
| 34  | 29  | ويقولون متى هذا الوعد إن كنتم صادقين   | 45  | 2   | تنزيل ألكتب من الله العزيز الحكيم  |
| 36  | 48  | ويقولون متى هذا الوعد إن كنتم صادقين   | 46  | 2   | تنزيل ألكتب من الله العزيز الحكيم  |
| 67  | 25  | ويقولون متى هذا الوعد إن كنتم صادقين   | 52  | 19  | كلوا واشربوا هنيئا بما كنتم تعملون   |
| 11  | 96  | ولقد أرسلنا موسى بآيتنا واسطى مبين   | 77  | 43  | كلوا واشربوا هنيئا بما كنتم تعملون   |
| 40  | 23  | ولقد أرسلنا موسى بآيتنا واسطى مبين   | 52  | 40  | أم تسلمهم أجرا فهم من مغرم مثقلون  |
| 11  | 110 | ولقد آتينا موسى ألكتب فآختلف فيه ولولا كلمة سبقت من ربك لقضي بينهم وإنهم لفي شك منه مريب | 68  | 46  | أم تسلمهم أجرا فهم من مغرم مثقلون  |
| 41  | 45  | ولقد آتينا موسى ألكتب فآختلف فيه ولولا كلمة سبقت من ربك لقضي بينهم وإنهم لفي شك منه مريب | 52  | 41  | أم عندهم الغيب فهم يكتبون  |
| 14  | 20  | وما ذلك على الله بعزيز   | 68  | 47  | أم عندهم الغيب فهم يكتبون  |
| 35  | 17  | وما ذلك على الله بعزيز   | 54  | 16  | فكيف كان عذابي ونذر  |
| 15  | 5   | ما تسبق من أمة أجلها وما يستخرون   | 54  | 21  | فكيف كان عذابي ونذر  |
| 23  | 43  | ما تسبق من أمة أجلها وما يستخرون   | 54  | 30  | فكيف كان عذابي ونذر  |
| 15  | 29  | فإذا سويته ونفخت فيه من روحي فقعوا له سجدين  | 54  | 17  | ولقد يسرنا القرآن للذكر فهل من مدكر  |
| 38  | 72  | فإذا سويته ونفخت فيه من روحي فقعوا له سجدين  | 54  | 22  | ولقد يسرنا القرآن للذكر فهل من مدكر  |
| 15  | 30  | فسجد الملائكة كلهم أجمعون  | 54  | 32  | ولقد يسرنا القرآن للذكر فهل من مدكر  |
| 38  | 73  | فسجد الملائكة كلهم أجمعون  | 54  | 40  | ولقد يسرنا القرآن للذكر فهل من مدكر  |
| 15  | 34  | قال فأخرج منها فأنك رحيم   | 55  | 13  | فيأيا  |
| 38  | 77  | قال فأخرج منها فأنك رحيم   | 55  | 16  | فيأيا  |
| 15  | 36  | قال رب فأنظرنني إلى يوم يبعثون   | 55  | 18  | فيأيا  |
| 38  | 79  | قال رب فأنظرنني إلى يوم يبعثون   | 55  | 21  | فيأيا  |
| 15  | 37  | قال فأنك من المناظرين  | 55  | 23  | فيأيا  |
| 38  | 80  | قال فأنك من المناظرين  | 55  | 25  | فيأيا  |
| 15  | 38  | إلى يوم الوقت المعلوم  | 55  | 28  | فيأيا  |
| 38  | 81  | إلى يوم الوقت المعلوم  | 55  | 30  | فيأيا  |
| 15  | 40  | إلا عبادك منهم المخلصين  | 55  | 32  | فيأيا  |
| 38  | 83  | إلا عبادك منهم المخلصين  | 55  | 34  | فيأيا  |
| 15  | 45  | إن المعتقين في جنت وعيون   | 55  | 36  | فيأيا  |
| 51  | 15  | إن المعتقين في جنت وعيون   | 55  | 38  | فيأيا  |
| 15  | 57  | قال فما خطبكم أيها المرسلون  | 55  | 40  | فيأيا  |
| 51  | 31  | قال فما خطبكم أيها المرسلون  | 55  | 42  | فيأيا  |
| 15  | 58  | قالوا إنا أرسلنا إلى قوم مجرمين  | 55  | 45  | فيأيا  |
| 51  | 32  | قالوا إنا أرسلنا إلى قوم مجرمين  | 55  | 47  | فيأيا  |
| 16  | 42  | الذين سبوا وعلى ربهم يتوكلون   | 55  | 49  | فيأيا  |
| 29  | 59  | الذين سبوا وعلى ربهم يتوكلون   | 55  | 51  | فيأيا  |
| 16  | 55  | ليكفروا بما آتيتهم فتمتعوا فسوف تعلمون   | 55  | 53  | فيأيا  |
| 30  | 34  | ليكفروا بما آتيتهم فتمتعوا فسوف تعلمون   | 55  | 55  | فيأيا  |
| 18  | 89  | ثم أتبع سببا   | 55  | 57  | فيأيا  |
| 18  | 92  | ثم أتبع سببا   | 55  | 59  | فيأيا  |
| 20  | 24  | أذهب إلى فرعون إنه طغي   | 55  | 61  | فيأيا  |
| 79  | 17  | أذهب إلى فرعون إنه طغي   | 55  | 63  | فيأيا  |
| 23  | 5   | والذين هم لفروجهم حفظون  | 55  | 65  | فيأيا  |
| 70  | 29  | والذين هم لفروجهم حفظون  | 55  | 67  | فيأيا  |
| 23  | 6   | إلا على أزواجه أو ما ملكت أيمانهم فإنهم غير ملومين                                       | 55  | 69  | فيأيا  |
| 70  | 30  | إلا على أزواجه أو ما ملكت أيمانهم فإنهم غير ملومين                                       | 55  | 71  | فيأيا  |
| 23  | 7   | فمن ابتغى وراء ذلك فأولئك هم العادون   | 55  | 73  | فيأيا  |
| 70  | 31  | فمن ابتغى وراء ذلك فأولئك هم العادون   | 55  | 75  | فيأيا  |
| 23  | 8   | والذين هم لأمتهم وعهدهم رعون   | 55  | 77  | فيأيا  |
| 70  | 32  | والذين هم لأمتهم وعهدهم رعون   | 55  | 79  | فيأيا  |
| 23  | 26  | قال رب أنصرني بما كذبون  | 55  | 81  | فيأيا  |
| 23  | 39  | قال رب أنصرني بما كذبون  | 55  | 83  | فيأيا  |
| 26  | 1   | بسم الله الرحمن الرحيم طم  | 56  | 27  | بل نحن محرومون   |
| 28  | 1   | بسم الله الرحمن الرحيم طم  | 56  | 67  | بل نحن محرومون   |
| 26  | 2   | تلك آيات ألكتب المؤمنين  | 56  | 74  | فسبح باسم ربك العظيم   |
| 28  | 2   | تلك آيات ألكتب المؤمنين  | 56  | 96  | فسبح باسم ربك العظيم   |
| 26  | 8   | إن في ذلك لآية وما كان أكثرهم مؤمنين   | 69  | 52  | فسبح باسم ربك العظيم   |
| 26  | 67  | إن في ذلك لآية وما كان أكثرهم مؤمنين   | 56  | 80  | تنزيل من رب العالمين   |
| 26  | 103 | إن في ذلك لآية وما كان أكثرهم مؤمنين   | 69  | 43  | تنزيل من رب العالمين   |
| 26  | 121 | إن في ذلك لآية وما كان أكثرهم مؤمنين   | 59  | 1   | بسم الله الرحمن الرحيم سبحانه ما في السموات وما في الأرض وهو العزيز الحكيم |
| 26  | 174 | إن في ذلك لآية وما كان أكثرهم مؤمنين   | 61  | 1   | بسم الله الرحمن الرحيم سبحانه ما في السموات وما في الأرض وهو العزيز الحكيم |
| 26  | 190 | إن في ذلك لآية وما كان أكثرهم مؤمنين   | 68  | 15  | إذا تتلى عليه آياتنا قال أساطير الأولين                                    |
| 26  | 9   | وإن ربك ليهو العزيز الرحيم   | 83  | 13  | إذا تتلى عليه آياتنا قال أساطير الأولين                                    |
| 26  | 68  | وإن ربك ليهو العزيز الرحيم   | 69  | 21  | فهو في عيشة راضية  |
| 26  | 104 | وإن ربك ليهو العزيز الرحيم   | 101   | 7   | فهو في عيشة راضية  |
| 26  | 122 | وإن ربك ليهو العزيز الرحيم   | 69  | 22  | في جنة عالية   |
| 26  | 140 | وإن ربك ليهو العزيز الرحيم   | 88  | 10  | في جنة عالية   |
| 26  | 159 | وإن ربك ليهو العزيز الرحيم   | 69  | 34  | ولا يحس على طعام المسكين   |
| 26  | 175 | وإن ربك ليهو العزيز الرحيم   | 107   | 3   | ولا يحس على طعام المسكين   |
| 26  | 191 | وإن ربك ليهو العزيز الرحيم   | 69  | 40  | إنه لقول رسول كريم   |
| 26  | 66  | ثم أغرقنا آل آخرين   | 81  | 19  | إنه لقول رسول كريم   |
| 37  | 82  | ثم أغرقنا آل آخرين   | 73  | 19  | إن هذه تذكرة فمن شاء اتخذ إلى ربه سبيلا                                    |
| 26  | 107 | إني لكم رسول أمين  | 76  | 29  | إن هذه تذكرة فمن شاء اتخذ إلى ربه سبيلا                                    |
| 26  | 125 | إني لكم رسول أمين  | 74  | 55  | فمن شاء ذكره   |
| 26  | 143 | إني لكم رسول أمين  | 80  | 12  | فمن شاء ذكره   |
| 26  | 162 | إني لكم رسول أمين  | 77  | 15  | ويل يومئذ للمكذبين   |
| 26  | 178 | إني لكم رسول أمين  | 77  | 19  | ويل يومئذ للمكذبين   |
| 26  | 108 | فأتقوا الله وأطيعون  | 77  | 24  | ويل يومئذ للمكذبين   |
| 26  | 110 | فأتقوا الله وأطيعون  | 77  | 28  | ويل يومئذ للمكذبين   |
| 26  | 126 | فأتقوا الله وأطيعون  | 77  | 34  | ويل يومئذ للمكذبين   |
| 26  | 131 | فأتقوا الله وأطيعون  | 77  | 37  | ويل يومئذ للمكذبين   |
| 26  | 144 | فأتقوا الله وأطيعون  | 77  | 40  | ويل يومئذ للمكذبين   |
| 26  | 150 | فأتقوا الله وأطيعون  | 77  | 45  | ويل يومئذ للمكذبين   |
| 26  | 163 | فأتقوا الله وأطيعون  | 77  | 47  | ويل يومئذ للمكذبين   |
| 26  | 179 | فأتقوا الله وأطيعون  | 77  | 49  | ويل يومئذ للمكذبين   |
| 26  | 109 | وما أسألكم عليه من أجر إن أجرينى إلا على رب العالمين                                     | 83  | 10  | ويل يومئذ للمكذبين   |
| 26  | 127 | وما أسألكم عليه من أجر إن أجرينى إلا على رب العالمين                                     | 79  | 33  | متعا لكم ولأنعمكم  |
| 26  | 145 | وما أسألكم عليه من أجر إن أجرينى إلا على رب العالمين                                     | 80  | 32  | متعا لكم ولأنعمكم  |
| 26  | 164 | وما أسألكم عليه من أجر إن أجرينى إلا على رب العالمين                                     | 82  | 13  | إن الأبرار لفي نعيم  |
| 26  | 180 | وما أسألكم عليه من أجر إن أجرينى إلا على رب العالمين                                     | 83  | 22  | إن الأبرار لفي نعيم  |
| 26  | 147 | في جنت وعيون   | 83  | 9   | كتب مرقوم  |
| 44  | 52  | في جنت وعيون   | 83  | 20  | كتب مرقوم  |
| 26  | 153 | قالوا إنما أنت من المسحورين  | 83  | 23  | على آلائك ينظرون   |
| 26  | 185 | قالوا إنما أنت من المسحورين  | 83  | 35  | على آلائك ينظرون   |
| 26  | 171 | إلا عجوزا في آفئيرين   | 84  | 2   | وأذنت لربها وحقت   |
| 37  | 135 | إلا عجوزا في آفئيرين   | 84  | 5   | وأذنت لربها وحقت   |
| 26  | 172 | ثم دمرنا آل آخرين  | 109   | 3   | ولا أنتم عبادون ما أعبد  |
| 37  | 136 | ثم دمرنا آل آخرين  | 109   | 5   | ولا أنتم عبادون ما أعبد  |
| عدد الحروف = 3738 + 2817 = 6555 حرف   |     |  | مجموع أرقام الحروف = 39513 = مجموع أرقام الكلمات = 5953 = مجموع أرقام الآيات = 15901 = مجموع أرقام السور = 2849 |     |  |
| 3738  |     |  | 6555 حرف 1503 كلمة 275 آية في 62 سورة 2817  |     |  |

## الأرقام المتماثلة 114 و 506

|  |   |
|--|---|
| 16 additive primes up to 114                             | يوجد 16 عدد أولي جمعي لغاية 114                 |
| 53 additive composites up to 114                         | يوجد 53 عدد مركب جمعي لغاية 114                 |
| 32+10 non-additive primes up to 506                      | يوجد 32+10 عدد أولي غير جمعي لغاية 506          |
| 10 non-additive primes with digit sum = 10 =             | منها 10 عدد أولي غير جمعي ذو مجموع مراتب = 10 = |
| 19 + 37 + 73 + 109 + 127 + 163 + 181 + 271 + 307 + 433 = | 1720  |
| 131 non-additive composites up to 506                    | يوجد 131 عدد مركب غير جمعي لغاية 506            |
| 114th prime number = 619                                 | العدد الأولي ال 114 = 619                       |
| 506th composite number = 621                             | العدد المركب ال 506 = 621                       |
| 114 + 506 = 620  | 620 = 506 + 114                                 |

496 = 3rd perfect number [sum of proper divisors =  $1+2+4+8+16+31+62+124+248 = 496$ ]  
 1720 = sum of the 10 non-additive primes up to 506 with digit sum = 10

©2018 Tariq Majeed and Ali Adams



Chapter 112 (الإخلاص) and Ahlul-bayt (ع)

| QuranCode Simplified28_Abjad_Gematria without 112 bismAllah                   |     |                    |     |  |      |      |       |       |         |       |                   |
|---|-----|--------------------|-----|--|------|------|-------|-------|---------|-------|-------------------|
| P_PivotConsecutiveVerses research method with pivot = 16 produces chapter 112 |     |                    |     |  |      |      |       |       |         |       |                   |
| Name  | X   | Y                  | XY  | P  | XY+P | Name | X1+Xn | Y1+Yn | XY1+XYn | P1+Pn | (XY+P)1 + (XY+P)n |
| فاطمة<br>135  | Sum | 1                  | 31  | 31                                       | 2    | 33   | Sum   | 32    | 32      | 62    | 129               |
|   |     | 2                  | 30  | 60                                       | 3    | 63   |       | 32    | 32      | 120   | 116               |
|   |     | 3                  | 29  | 87                                       | 5    | 92   |       | 32    | 32      | 174   | 114               |
|   |     | 4                  | 28  | 112                                      | 7    | 119  |       | 32    | 32      | 224   | 114               |
|   |     | 5                  | 27  | 135                                      | 11   | 146  |       | 32    | 32      | 270   | 114               |
|   |     | 6                  | 26  | 156                                      | 13   | 169  |       | 32    | 32      | 312   | 114               |
|   |     | 7                  | 25  | 175                                      | 17   | 192  |       | 32    | 32      | 350   | 114               |
|   |     | 8                  | 24  | 192                                      | 19   | 211  |       | 32    | 32      | 384   | 108               |
|   |     | 9                  | 23  | 207                                      | 23   | 230  |       | 32    | 32      | 414   | 106               |
|   |     | 10                 | 22  | 220                                      | 29   | 249  |       | 32    | 32      | 440   | 108               |
| علي<br>110  |     | 11                 | 21  | 231                                      | 31   | 262  |       | 32    | 32      | 462   | 104               |
|   |     | 12                 | 20  | 240                                      | 37   | 277  |       | 32    | 32      | 480   | 108               |
|   |     | 13                 | 19  | 247                                      | 41   | 288  |       | 32    | 32      | 494   | 108               |
|   |     | 14                 | 18  | 252                                      | 43   | 295  |       | 32    | 32      | 504   | 104               |
|   |     | 15                 | 17  | 255                                      | 47   | 302  |       | 32    | 32      | 510   | 106               |
|   |     | 16                 | 16  | 256                                      | 53   | 309  |       | 32    | 32      | 512   | 106               |
|   |     | 17                 | 15  | 255                                      | 59   | 314  |       | 32    | 32      | 510   | 106               |
|   |     | 18                 | 14  | 252                                      | 61   | 313  |       | 32    | 32      | 504   | 104               |
|   |     | 19                 | 13  | 247                                      | 67   | 314  |       | 32    | 32      | 494   | 108               |
|   |     | 20                 | 12  | 240                                      | 71   | 311  |       | 32    | 32      | 480   | 108               |
|   |     | 21                 | 11  | 231                                      | 73   | 304  |       | 32    | 32      | 462   | 104               |
|   |     | 22                 | 10  | 220                                      | 79   | 299  |       | 32    | 32      | 440   | 108               |
|   |     | 23                 | 9   | 207                                      | 83   | 290  |       | 32    | 32      | 414   | 106               |
|   |     | 24                 | 8   | 192                                      | 89   | 281  |       | 32    | 32      | 384   | 108               |
|   |     | 25                 | 7   | 175                                      | 97   | 272  |       | 32    | 32      | 350   | 114               |
|   |     | 26                 | 6   | 156                                      | 101  | 257  |       | 32    | 32      | 312   | 114               |
|   |     | 27                 | 5   | 135                                      | 103  | 238  |       | 32    | 32      | 270   | 114               |
|   |     | 28                 | 4   | 112                                      | 107  | 219  |       | 32    | 32      | 224   | 114               |
|   |     | 29                 | 3   | 87                                       | 109  | 196  |       | 32    | 32      | 174   | 114               |
|   |     | 30                 | 2   | 60                                       | 113  | 173  |       | 32    | 32      | 120   | 116               |
| حسن<br>118  |     | 31                 | 1   | 31                                       | 127  | 158  |       | 32    | 32      | 62    | 129               |
|   |     |                    |     |  |      |      |       |       |         |       |                   |
|   |     | 496                | 496 | 5456                                     | 1720 | 7176 |       | 992   | 992     | 10912 | 3440              |
|   |     | 3rd perfect number |     | Sum of 10 XPs with digit sum 10 upto 506 |      |      |       |       |         |       |                   |
|   |     |                    |     |  |      |      |       |       |         |       |                   |

يا حسن = 129

محمد = 92

قل هو الله احد = 220

الله الصمد = 231

لم يلد ولم يولد = 240

Chapter 18: Companions of the Cave

(3+4) + (5+6) + (7+8) = 33

309 lunar years, 313 (256) words

ولم يكن له كفوا احد = 311

لم يلد ولم يولد = 240

الله الصمد = 231

قل هو الله احد = 220

Amazing 114 Numbers

www.qurancode.com/114.txt

Twin Numbers 114 and 506

| Quran = 114 chapters    Chapter 57 = 29 verses  |  |                                |
|---|--|--------------------------------|
| 114 ÷ 2            = 57<br>median(1..57) = 29<br>57 × 29            = 1653<br>16th prime        = 53<br><br>There are 16 additive primes up to 114:<br>2,  3,  5,  7, 11, 23,  29, 41, 43, 47,<br>61, 67, 83, 89, 101, 113<br><br>There are 53 additive composites up to 114:<br>4,  6,  8,  9, 15, 18, 22, 24, 26, 27,<br>28, 33, 35, 36, 39, 40, 42, 44, 45, 46,<br>48, 51, 54, 55, 57, 60, 62, 63, 64, 66,<br>68, 69, 72, 75, 77, 78, 80, 81, 82, 84,<br>86, 87, 88, 90, 91, 93, 95, 96, 99, 105,<br>108, 112, 114 | 506 ÷ 2            = 253<br>median(1..253) = 127<br>253 × 127          = 32131<br>32nd prime        = 131<br><br>There are 42 non-additive primes up to 506:<br>13, 17, 19, 31, 37, 53, 59, 71, 73, 79,<br>97, 103, 107, 109, 127, 149, 163, 167, 181, 211,<br>233, 239, 251, 257, 271, 277, 293, 307, 347, 349,<br>367, 383, 389, 419, 431, 433, 439, 457, 479, 491,<br>499, 503<br><br>32 non-additive primes up to 506 with digit sum <> 10<br>13, 17, 31, 53, 59, 71, 79, 97, 103, 107,<br>149, 167, 211, 233, 239, 251, 257, 277, 293, 347,<br>349, 367, 383, 389, 419, 431, 439, 457, 479, 491,<br>499, 503<br><br>10 non-additive primes up to 506 with digit sum = 10<br>19, 37, 73, 109, 127, 163, 181, 271, 307, 433<br><br>There are 131 non-additive composites up to 506:<br>10, 12, 14, 16, 20, 21, 25, 30, 32, 34,<br>38, 49, 50, 52, 56, 58, 65, 70, 74, 76,<br>85, 92, 94, 98, 100, 102, 104, 106, 110, 111,<br>115, 119, 120, 122, 124, 128, 133, 140, 142, 146,<br>148, 155, 160, 164, 166, 175, 182, 184, 188, 200,<br>201, 203, 205, 209, 210, 212, 214, 218, 221, 230,<br>232, 236, 238, 245, 247, 250, 254, 256, 265, 272,<br>274, 278, 287, 289, 290, 292, 296, 298, 300, 302,<br>304, 308, 319, 320, 322, 326, 328, 335, 340, 344,<br>346, 355, 362, 364, 368, 371, 377, 380, 382, 386,<br>388, 391, 395, 403, 407, 410, 412, 416, 418, 425,<br>427, 430, 434, 436, 445, 452, 454, 458, 469, 470,<br>472, 476, 478, 481, 485, 490, 494, 496, 500, 502,<br>506 |                                |
| P114            = 619                            XC114 + AC114 - C114 = 506<br>114 + 506 = 620                            436    + 220    - 150 = 506<br>C506            = 621  |  |                                |
| Verses with value = 1653 in reptent prime letter-value systems  |  |                                |
| Simplified28_Frequency_ReptendPrimes  | 54:50  | وما امرنا الا وحده كلمح بالبصر |
| Simplified28_Abjad_ReptendPrimes  | 78:29  | وكل شي احصينه كتباً            |
| Cyclic number 142857 = (10^(7-1) - 1) ÷ 7 with reptent prime = 7<br>142857×1 = 142857    142857×2 = 285714    142857×3 = 428571    142857×4 = 571428    142857×5 = 714285    142857×6 = 857142<br>7, 17, 19, 23, 29, 47, 59, 61, 97, 109, 113, 131, 149, 167, 179, 181, 193, 223, 229, 233, 257, 263, 269, 313, 337, 367, 379, 383, 389, 419, 433, 461, 487, 491, 499, 503, 509, 541<br><a href="http://en.wikipedia.org/wiki/Cyclic_number">http://en.wikipedia.org/wiki/Cyclic_number</a>                           |  |                                |